

# उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



## कार्यक्रम प्रतिवेदन नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम दिनांक 10-01-2025

आयोजन सचिव  
डॉ० मनोज कुमार  
असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र (सं)

कार्यक्रम संयोजक  
प्रो० संतोषा कुमार  
निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा

आयोजक – समाज विज्ञान विद्याशाखा  
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

## कार्यक्रम प्रतिवेदन

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम सम्बन्धित विषय पर शपथ दिलाया गया ।

कृपया अवगत कराना है कि शासन के पत्रांक संख्या-466/सत्तर-3-2025, पत्रांक डिग्री विकास 2157/2024-25 दिनांक: 31-12-2024, के संदर्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा (समाजशास्त्र) के तत्वावधान में नार्को कोर्डिनेशन मैकेनिज्म सेंटर (NCORD) के क्रियान्वयन (मादक पदार्थ) हेतु के प्रति जनमानस में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता लाने हेतु शपथ कार्यक्रम दिनांक 10 जनवरी, 2025 दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार, में किया ।





### शपथ पत्र

" मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि, मैं किसी भी तरह के नशे का सेवन नहीं करूंगा, न ही अपने किसी परिचित को नशा करने के लिए कहूंगा। मैं, नशे के कारवां का विरोध कर नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करूंगा। मैं लोगों को नशे के गंभीर परिणामों से अवगत कराऊंगा तथा उन्हें नशा मुक्त जीवन जीने का आग्रह करूंगा। मैं, स्वयं एवं अपने घर-परिवार, पास- पड़ोस, विश्वविद्यालय व राष्ट्र की नशे से रक्षा करने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। नशा समस्त बुराइयों की जड़ है। मैं इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए सदैव प्रयत्न करूंगा।









नशाखोरी आज समाज की एक विकराल समस्या दिखाई पड़ती है। नशीले पदार्थ चाहे कानूनी हों या अवैध, व्यक्ति और समाज पर समग्र रूप से हानिकारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए, नशा से पूरी तरह से बचना महत्वपूर्ण है। नशे का आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से हृदय, फेफड़े और यकृत सहित शरीर के विभिन्न अंगों को नुकसान

होता है, जिससे जटिल स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। जिसमें अवसाद, चिंता और मनोविकार शामिल हैं। लंबे समय में, नशीली दवाओं के दुरुपयोग से लत भी पड़ सकती है, जिस पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण है। शराब पीना और धूम्रपान दो सबसे आम विकार हैं जिनमें लोग शामिल होते हैं। हालांकि वे अस्थायी खुशी या राहत प्रदान कर सकते हैं, लेकिन हमारे स्वास्थ्य और भलाई पर उनके कई दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। ऐसे में, इन आदतों से बचना और इसके बजाय अच्छे स्वास्थ्य विकल्पों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो० संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार, सह आयोजन सचिव डॉ० योगेश कुमार यादव अति० प्रो० समाज विज्ञान विद्याशाखा रहे।